समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

बी.ए. प्रथम वर्ष संस्कृत

नीति साहित्य (MIL Core-1) SKT-DSC-103 **कुल अंक 30**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्रकोसम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 10** **(5X2)**

प्र. 1 पञ्चतन्त्र के लेखक का परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर भी प्रकाश डालिए ।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किसी एक कथा का सार लिखिए-
क्षपणक कथा, मूर्खपण्डित कथा, वानर-मकर कथा ।

प्र. 3 गंगदत्त-मण्डूक कथा का परिचय देते हुए कथा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

प्र. 4 सिंह-कारक कथा का परिचय देते हुए कथा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 10** **(5X2)**

प्र. 1 नीतिशतक के रचयिता भर्तृहरि का सामान्य परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर डालिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किसी एक का सामान्य-परिचय दीजिए-

- सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्द्धं त्यजति पण्डित: ।
  अर्द्धेन कुरुते कार्यं सर्वनाशो हि दु:सह: । ।
- शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्यं मधुरता कुल जन्म ।
  न विराजन्ति हि सर्वे वितविहीनस्य पुरुषस्य । ।
- अपूजितोतिऽथिर्यस्य गृहाद्याति विनिश्वसन् ।
  गच्छन्ति विमुखास्तस्य पितृभि: सह देवता । ।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्ही दो पद्यों का सरलार्थ कीजिए-

- या चिन्तयामि सततं मयि सा विरक्ता, साऽप्यन्यमिच्छति जनं स जनोऽन्यसक्त: ।
  अस्मत्कृते च परितुष्यति काचिदन्या, धिक्तां च तं च मदनं च इमां च मां च । ।
- येषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्म: ।
  ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता: मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति । ।
- केयूराणी न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्जवला: ।
  न स्त्रानं न विलेपनं न कुसुमं नालंऽकृता मूर्धजा: । ।
- वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते ।
  क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् । ।

प्र. 4 नीतिशतक की काव्यशैली पर प्रकाश डालिए।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 10** **(5X2)**

प्र. 1 महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किसी एक गद्य का सरलार्थ कीजिए-

- एतस्मिन्नन्तरे तस्या भार्यया----------तारस्वरेणेमं श्लोकमपठत्। (क्षपणक कथा)
- एवमुक्त्वा तस्मै जम्बूफलानि ददौ-------ततो व्यापादयितुं न शक्यते। (वानर मकर कथा)

प्र. 3 'गद्यं कविनां निकषं वदन्ति' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

प्र. 4 निम्नलिखित में से किसी एक का सामान्य परिचय दीजिए।

भारवि, बाणभट्ट, दण्डी, भास, भवभूति ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातक संस्कृत ..... वर्ष

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....